न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं मजिस्ट्रेट, रूपनगढ़, (अजमेर)

राजस्व वाद संख्याः–42/2019

दायर दिनांकः–03.06.2019

1. जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरणदेवाचार्य श्रीजी महाराज शिष्य अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज निवासी श्री निम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ सलेमाबाद, तहसील किशनगढ, जिला अजमेर राजस्थान।

----प्रार्थी

बनाम

1. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार रूपनगढ।

--अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम बाबत् राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्ती हेतु

निर्णय दिनांकः–21.10.2021

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी ने अपने पंजीकृत सामान्य अधिकार प्रलेख में छः व्यक्तियों को सामान्य अधिकार पत्र दिया है जो तहसील कार्यालय किशनगढ से पंजिकृत है। उक्त प्रार्थना पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए सामान्य अधिकार पत्र धारक 1. श्रीमाधवशरण आयु 77 वर्ष शिष्य अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम सलेमाबाद तहसील किशनगढ जिला अजमेर 2. श्री ओमप्रकाश शर्मा आयु 46 वर्ष पुत्र श्री सीताराम शर्मा/शिष्य अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज, जाति ब्राह्मण निवासी निम्बार्क नगर, अजमेर रोड़, वार्ड नं0 12, हीरापुरा, जयपुर, जिला जयपुर को समस्त उक्त प्रार्थना पत्र की कार्यवाही के लिये अधिकृत किया गया है जो सामान्य अधिकार प्रलेख में उल्लेखित है। उक्त कृषि भूमि मंदिर के नाम पर कब्जे काश्त एवं खातेदारी की कृषि भूमि वाकै ग्राम दरडून्द पटवार हल्का निटुटी भू–अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र रूपनगढ तहसील रूपनगढ जिला अजमेर में स्थित है। खाता संख्या नया 185 के खसरा नम्बर 223 रकबा 84 बीघा 02 बिस्वा किस्म बारानी प्रथम 23–12 बीघा, बारानी द्वितीय 60–10 बीघा है। उक्त संपूर्ण कृषि भूमि राजस्व रिकॉर्ड अनुसार मंदिर के नाम पर एकल कब्जे काश्त एवं खातेदारी में दर्ज है। उक्त कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में प्रार्थी के गुरु श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज के नाम पर पहले हो रखी थी। जबकी प्रार्थी के गुरु श्री श्रीजी महाराज का देवलोक गमन हो गया है। इस कारण उनके स्थान पर राज्य सरकार के [illegible] दिनांक–12.09.2018 के परिपत्र के अनुसार प्रार्थी वर्तमान जगद्गुरु निम्बार्का[illegible] पीठाधीश्वर [illegible]देवाचार्य श्रीजी महाराज का राजस्व रिकॉर्ड में पुजारी या संरक्षक की [illegible] दुरुस्ती करवाना चाहता [illegible] प्रार्थी के गुरु

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhanwar Lal Janagal
Date: 2022.03.21 16:03:34 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
रूपनगढ़ (अजमेर)

श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज ने अपनी रजिस्टर्ड वसीयत में प्रार्थी वर्तमान में जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरणदेवाचार्य श्रीजी महाराज को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। अतः प्रार्थी मंदिर की कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में पुजारी या संरक्षक के रुप में अपना नाम अंकन करवाना चाहता है। क्योंकि पूर्व में राजस्व रिकॉर्ड में प्रार्थी के गुरुजी श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज के नाम को राजस्व रिकॉर्ड से विलोपित कर दिया था जिसके पश्चात् राज्य सरकार के द्वारा दिनांक–12.09.2018 को जारी परिपत्र में मंदिर की भूमि में पुजारी या सरवराकार का नाम पुनः राजस्व रिकार्ड में अंकन का परिपत्र जारी किया गया है। जिसकी अनुपालना में उक्त राजस्व प्रार्थना पत्र धारा 136 भू–राजस्व अधिनियम के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी में प्रार्थी के गुरुजी श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज का नाम पूर्व में राज्य सरकार के आदेश के अनुसार मंदिर की भूमियों से मंदिर के पुजारी या सरवराकार के नाम राजस्व रिकॉर्ड से विलोपित कर दिये थे जिसके पश्चात् राज्य सरकार के द्वारा दिनांक–12.09.2018 को जारी परिपत्र के अनुसार मंदिर की कृषि भूमि में पुजारी या सरवराकार का नाम संरक्षक के रुप में पुनः दर्ज करने के लिए जारी परिपत्र की अनुपालना में माननीय न्यायालय में उक्त प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। प्रार्थी पुजारी की हैसियत से मंदिर भूमि में अपने कब्जे काश्त एवं मंदिर की खातेदारी भूमि पर बिजली कनेक्शन सहित अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने सहित मंदिर भूमि को सुरक्षित रखने के लिए माननीय न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता पड़ी। प्रार्थी की ओर से माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किये जा रहे दस्तावेज जिसमें भारत निर्वाचन आयोग पहचान पत्र, आधार कार्ड, वसीयत, ग्राम पंचायत का सजरा प्रमाण पत्र तथा प्रार्थी के गुरुजी का गोलोकवास का प्रमाण पत्र एवं वकालतनामा के साथ सामान्य अधिकार प्रलेख की फोटो प्रति प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी की तलबी जरिये नोटिस की गई। अप्रार्थी का नोटिस तामिलशुदा प्राप्त हुआ। अप्रार्थी की ओर से प्रकरण में जवाब पेश किया गया। प्राप्त जवाब अनुसार ग्राम दरड़ून्द पटवार मंडल निटुटी भू–अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र रुपनगढ़ तहसील रुपनगढ़ जिला अजमेर की सेग्रिगेशन जमाबंदी संवत् 2070 से 2073 के खाता संख्या 200 पर खसरा नम्बर 223 रकबा 13.6074 है0 मंदिर श्री श्रीजी महाराज स्थान सलेमाबाद खातेदार के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

ग्राम दरड़ून्द की एकीकरण जमाबंदी संवत् 2020 के खाता संख्या 50 पर खसरा नम्बर 223 रकबा 84 बीघा 02 बिस्वा मंदिर श्री श्रीजी महाराज [illegible] खातेदार के नाम दर्ज था जो वर्तमान जमाबंदी तक मंदिर श्री श्रीजी महाराज स्थान सलेमाबाद [illegible] के नाम यथावत चला आ रहा है। प्रार्थी के गुरुजी श्रीराधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री का नाम रिकार्ड में कभी दर्ज नहीं था एवं प्रार्थी

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhanwar Lal Janagal
Date: 2022.03.21 16:03:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रूपनगढ़ (अजमेर)

उपखण्ड अधिकारी
रूपनगढ़ (अजमेर)

के गुरुजी का नाम विलोपित किये जाने का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन नहीं है। राज्य सरकार द्वारा जारी परिपत्र दिनांक–12.09.2018 में मंदिर की भूमि में पुजारी या संरक्षक का नाम पुनः राजस्व रिकॉर्ड में अंकन किये जाने का कोई उल्लेख नहीं है, केवल एक पृथक पंजिका बनवाकर उसमें पुजारीयों का नाम अद्यतन रखने के निर्देश प्रदान किये गये है।

वाद अधीन भूमि मंदिर माफी की भूमि है एवं मंदिर मूर्ति शाश्वत नाबालिग है इसलिए मंदिर मूर्ति की भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में किसी का नाम जोड़ा जाना उचित नहीं है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज कराने की कृपा करावें।

हमने पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया। तद्नुसार प्रार्थी का प्रार्थना पत्र आंशिक रुप से स्वीकार किया जाकर तहसीलदार रुपनगढ को तहसील कार्यालय में इस बाबत् संधारित की जा रही पृथक पंजिका में पुजारी का नाम अद्यतन रखने हेतु निर्देशित किया जाता है।

आदेश मेरे द्वारा लिखवाया जाकर आज दिनांक 21.10.2021 को कैम्प कोर्ट प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021 कैम्प ग्राम पंचायत मुख्यालय पनेर में सुनाया जाकर हस्ताक्षर किये गये एवं शामिल पत्रावली किया गया।

उपखण्ड अधिकारी
रूपनगढ (अजमेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhanwar Lal Janagal
Date: 2022.03.21 15:03:34 IST
Reason: SelfAttested